



विजयादशमी की हार्दिक शुभकामनाएं...

बुराई पर अच्छाई की जीत दशहरा लाता है एक उम्मीद रावण की तरह आप सभी के दुःखों का हो अंत...

बुराई पर अच्छाई की जीत पूर्व दशहरा के अवसर पर घटती-घटना अखबार के सुविधाओं, सुगंधितकों, विज्ञापनलाओं एवं सहयोगियों सहित आप सभी को **विजयादशमी की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...**

संपादक

अवकाश सुचना

दैनिक अखबार घटती-घटना के सुविधाओं, विज्ञापनलाओं एवं सुगंधितकों को सुविधा दिया जाता है कि विजयादशमी महोत्सव के अवसर पर घटती-घटना कार्यालय में **दिन मंगलवार 20 अक्टूबर 2026 व 21 अक्टूबर 2026 दिन बुधवार को अवकाश रहेगा।**

अतः अगला अंक दिन **सुक्रवार 23 अक्टूबर 2026** को प्रकाशित होगा।

व्यवस्थापक

गंगोत्री धाम के कपाट 10 नवम्बर को बंद हो जाएंगे

उत्तरकाशी, 19 अक्टूबर 2026। विश्व प्रसिद्ध गंगोत्री धाम के कपाट आगामी 10 नवम्बर को अन्नकूट पर्व पर विधिवत पूजा अर्चना के साथ 12:05 बजे शीतकाल के लिए बंद कर दिए जायेंगे। इसके बाद अगले छह माह तक श्रद्धालु मां गंगा के शीतकालीन प्रवास स्थल मुखबा गांव में ही दर्शन और पूजा-अर्चना कर सकेंगे।

जामा मस्जिद मेट्रो स्टेशन में पकड़ा सदिग्ध अंडरगार्मेट में मिला 155 ग्राम सोने जैसा पाउडर,जवान ने दबोचा



नई दिल्ली, 19 अक्टूबर 2026। पुरानी दिल्ली के जामा मस्जिद मेट्रो स्टेशन पर सीआईएसएफ के जवानों ने जांच के दौरान एक युवक के बैग से करीब 155 ग्राम सोने जैसा पाउडर बरामद किया। पाउडर को बैग में रखे एक अंडरगार्मेट के अंदर छिपाकर रखा गया था। पकड़े गए युवक की पहचान मोहम्मद शोएब के रूप में हुई है। वह मूल रूप से उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर का रहने वाला है और उसने मलेशिया के कुआलालंपुर में भी अपना पता बताया है। पुलिस के मुताबिक, जांच में बरामद पाउडर के नशीला पदार्थ होने की पुष्टि नहीं हुई। हालांकि,युवक इसके मालिकाना हक से जुड़े दस्तावेज नहीं दिखा सका,जिसके बाद उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार, 17 अक्टूबर को गश्त के दौरान जामा मस्जिद मेट्रो स्टेशन के स्टेशन कंट्रोलर से एक व्यक्ति को सीआईएसएफ द्वारा पकड़े जाने की सूचना मिली। मौके पर पहुंचे एसआई मसूम रजा को सीआईएसएफ जवानों ने युवक को सीपा। जवानों ने बताया कि बैग की जांच और तलाशी के दौरान सदिग्ध पदार्थ नजर आया था। जांच करने पर अंडरगार्मेट में छिपाकर रखा करीब 155 ग्राम पाउडर मिला।

गुजरात के मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से की मुलाकात

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर 2026। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने सोमवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने राज्य के गरीबों,युवाओं,किसानों और महिलाओं के जीवन में सुख-समृद्धि लाने तथा उनके लिए नए अवसर सृजित करने के संबंध में प्रधानमंत्री से मार्गदर्शन प्राप्त किया। प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर दोनों नेताओं की मुलाकात की तस्वीर साझा करते हुए इसकी जानकारी दी। मुख्यमंत्री पटेल ने मुलाकात के बाद एक्स पर अपनी पोस्ट में कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री मोदी से भेंट करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस दौरान राज्य के गरीबों,युवाओं,अनवदाताओं और नारीशक्ति के जीवन में सुख-समृद्धि लाने तथा उनके लिए नए अवसरों के सृजन के संबंध में प्रधानमंत्री का मार्गदर्शन मिला। पटेल ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री के साथ 'विकसित गुजरात,विकसित भारत' के संकल्प को साकार करने की प्रतिबद्धता दोहराई।



आशुतोष-सौरव की न्यायिक हिरासत दो दिन बढ़ाई गई

14 अक्टूबर से तिहाड़ जेल में बंद,सीजेपी का रिहाई में जानबूझकर देरी का आरोप...

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर 2026। दिल्ली में काँकरोच जनता पार्टी के नेताओं आशुतोष रांका और सौरव दास की याचिक हिरासत दो दिन बढ़ा दी गई है। सोमवार को दोनों के मंदिर मार्ग पुलिस स्टेशन में विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट (एसईएम) के सामने पेश किया गया था। पुलिस ने दोनों नेताओं की न्यायिक हिरासत बढ़ाने की मांग की,जिसे मजिस्ट्रेट ने मंजूर कर लिया। अब उन्हें बुधवार को फिर से पेश किया जाएगा। दोनों 14 अक्टूबर से तिहाड़ जेल में बंद हैं। आरोप है कि उन्होंने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने के लिए



प्रतिबंधों का उल्लंघन किया था। वहीं, सीजेपी ने आरोप लगाया कि दोनों नेताओं की रिहाई में जानबूझकर देरी की जा रही है।

चार जमानतदारों को खारिज करने पर सवाल

सीजेपी का आरोप है कि दोनों नेताओं के जमानतदारों के दस्तावेजों की जांच में देरी की गई। पार्टी के मुताबिक,चार जमानतदारों को साफ वजह बताए बिना खारिज कर दिया गया। जमानत के लिए बैंक की मुहर वाली फिक्स्ड डिपॉजिट रसीद को दोबारा मंजूरी के लिए पेश करने पर भी पार्टी ने सवाल उठाए। सीजेपी फाउंडर अभिजीत दीपके ने सोशल मीडिया पर आरोप लगाया कि दोनों नेताओं को जेल में रखने के लिए जमानत की प्रक्रिया में देरी की जा रही है। पार्टी ने कहा कि वह दोनों की रिहाई के लिए आगे भी कानूनी लड़ाई लड़ेगी।

सीजेपी बोली...रिहाई पर सुनवाई की बजाय धमकी भरे मैसेज पर चर्चा

की : सीजेपी की लीगल हेड रत्ना सिंह के मुताबिक,जमानत पर सुनवाई के लिए

परिसीमन विधेयक पर सर्वदलीय बैठक की मांग को लेकर रिजिजू का खरगे को जवाब बोले...सरकार ने विपक्ष से किया संवाद

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर 2026। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू ने परिसीमन से जुड़े संवैधानिक संशोधन विधेयक पर विचार के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग के जवाब में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने इस मुद्दे पर विपक्ष से चर्चा और सहयोग लेने के लिए कई बार प्रयास किए हैं। रिजिजू ने कांग्रेस से दोबारा वही मांग दोहराने के बजाय विधेयक पर रचनात्मक सहयोग करने की अपील की। रिजिजू ने सोमवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को लिखे पत्र में उनके 16 अक्टूबर के उस पत्र का जवाब दिया, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संसद में परिसीमन संबंधी संवैधानिक संशोधन पर विचार से पहले सर्वदलीय बैठक बुलाने का आग्रह किया था।

रिजिजू ने संसद के मानसून सत्र के 13 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने के बाद सदन का सत्रावसान नहीं किए जाने पर उठाए गए सवाल का भी जवाब दिया। उन्होंने कहा

कि संविधान में ऐसी कोई समयसीमा तय नहीं है, जिसके भीतर सदन का सत्रावसान करना अनिवार्य हो। लंबे अंतराल तक सत्रावसान नहीं होने के पहले भी



कई उदाहरण रहे हैं। उन्होंने 2008 में लोकसभा के जुलाई में दो दिन बैठने के बाद 17 अक्टूबर को दोबारा बैठक करने और 24 अक्टूबर को स्थगित होने का उदाहरण दिया। उन्होंने 1987, 1989,2006,2013 और 1963 के उदाहरणों का भी उल्लेख किया। रिजिजू ने कहा कि सरकार ने परिसीमन संशोधन विधेयक पर कांग्रेस से सहयोग लेने के लिए 16 मार्च, 26 मार्च और 12 अप्रैल 2026 को पत्र लिखे थे। उन्होंने दावा किया कि व्यक्तिगत रूप से भी खरगे और मानसून सत्र के दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से इस विषय पर चर्चा की गई थी।

ओआईसी की बैठक में देश विरोधी संदर्भों को भारत ने किया खारिज, कहा...पाकिस्तान ने अपने एजेंडे के लिए संगठन का दुरुपयोग किया

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर 2026। भारत ने बगदाद में 17-18 अक्टूबर को हुई इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) के विदेश मंत्रियों की परिषद की बैठक के प्रस्तावों में भारत विरोधी संदर्भों को सिर से खारिज किया है। भारत ने इन संदर्भों को दुर्भावनापूर्ण,पक्षपातपूर्ण और झूठ बताते हुए कहा कि पाकिस्तान ने इन्हें अपने इशारे पर तैयार कराया है। ओआईसी ने एक बार फिर पाकिस्तान को अपने कट्टरपंथी एजेंडे के लिए संगठन का दुरुपयोग करने दिया है। विदेश



मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में कहा कि ओआईसी को भारत के पूरी तरह अंतरिक

मामलों पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख केंद्रशासित प्रदेश भारत के अभिन्न और अविभाज्य अंग हैं। राजनीतिक मकसद से किया गया दुष्प्रचार इसके नहीं बदल सकता।

बयान के अनुसार अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद के वर्षों में जम्मू-कश्मीर में आर्थिक विकास हुआ है। बुनियादी ढांचे, पर्यटन और संपर्क सुविधाओं के विकास से वहां के लोगों को सीधे लाभ मिला है।

टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग के तीन आरोपी कोटा रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार

पुणे-जयपुर ट्रेन के जनरल कोच में अलग-अलग बैठे थे आरोपी,लॉरिस गैंग से जुड़े हुए,नेपाल भागने की फिटाक में थे...



कोटा, 19 अक्टूबर 2026। बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग के मामले में कोटा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। सोमवार सुबह पुलिस ने कोटा रेलवे स्टेशन से तीन आरोपियों को पकड़ा। इनमें दो वयस्क और एक नाबालिग शामिल है। पुलिस के अनुसार,तीनों लॉरिस गैंग से जुड़े हुए हैं और वारदात के बाद विदेश भागने की फिराक में थे। आरोपी पुणे-जयपुर ट्रेन से जयपुर पहुंचने और वहां से बस के जरिए दिल्ली होते हुए नेपाल जाने की योजना बना रहे थे। कोटा पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम ने बताया कि मुंबई पुलिस से मिले इनपुट के आधार पर कार्रवाई करते



मुंबई में रहते थे आरोपी,अलग-अलग करते थे काम पुलिस के मुताबिक, बिहार निवासी ऋतिक कुर्मी मुंबई के अंधेरी वेस्ट इलाके में रहता है और रैपिडो चलाता है। वहीं,हरियाणा निवासी रेहान और नाबालिग मजदूरी करते हैं। मुंबई पुलिस से मिले इनपुट के आधार पर कोटा पुलिस ने रेलवे स्टेशन पर कार्रवाई की।

जयपुर से दिल्ली और फिर नेपाल जाने की थी योजना

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार,तीनों आरोपी पुणे-जयपुर ट्रेन से जयपुर पहुंचने के बाद बस से दिल्ली जाने वाले थे। इसके बाद नेपाल के रास्ते विदेश भागने की योजना थी। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर रही है,ताकि फायरिंग की वारदात में उनकी भूमिका, साजिश और अन्य संभावित सहयोगियों के बारे में जानकारी जुटाई जा सके। मुंबई में अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर हुई फायरिंग के मामले में इन तीनों की गिरफ्तारी को जांच की दिशा में अहम माना जा रहा है।

हुए तीनों को सोमवार सुबह 10 बजकर 18 मिनट पर पकड़ा गया।

आरोपी पुणे-जयपुर ट्रेन संख्या 12939 के जनरल कोच में

थरूर बोले...भारत न बांग्लादेश, न ही

फ्रांस...तुलना गलत,हमारा सरकार गिराना टारगेट नहीं,रिजिजू बोले थे...विपक्ष साजिश रच रहा



नई दिल्ली, 19 अक्टूबर 2026। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने सोमवार को केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू के सत्ता परिवर्तन कराने के आरोपों का जवाब दिया। थरूर ने कहा कि मेरा मानना है कि भारत बांग्लादेश नहीं है और भारत फ्रांस भी नहीं है। मुझे ये तुलना खस तौर पर प्रासंगिक नहीं लगती। हम फ्रांस में हुई वसों और पुलिस स्टेशनों को आग लगाने जैसी किसी भी हिंसा को कभी सही नहीं ठहराएंगे। हम केवल शांतिपूर्ण प्रदर्शनों में विश्वास करते हैं। मैंने भी इसी तरह के प्रदर्शनों में हिस्सा लिया है और मेरा मानना है कि विपक्ष भी सामान्य तौर पर इसी का समर्थन करता है। जहां तक बड़े मुद्दों की बात है, 'रिजीम चेंज' जैसे शब्दों को तोड़-मरोड़कर पेश करने का कोई मतलब नहीं है। इसका किसी सरकार को गिराने या सत्ता परिवर्तन की कोशिश से कोई संबंध नहीं है। दरअसल एक दिन पहले रिजिजू ने विपक्ष पर आरोप लगाया था कि फ्रांस और बांग्लादेश में हुई हिंसक घटनाओं जैसी साजिश भारत में भी रची गई थी। उन्होंने एक्स पर लिखा था कि भारत में सत्ता परिवर्तन बिल्कुल हो सकता है,लेकिन केवल चुनावों के जरिए, सोरोस के जरिए नहीं।

थरूर बोले- लोकतंत्र किसी की ओर से दिया गया उपहार नहीं

थरूर ने कहा कि लोकतंत्र किसी की ओर से दिया गया उपहार नहीं है। हम भारत के आम नागरिक इसके संरक्षक हैं। हर भारतीय नागरिक को अपने लोकतंत्र की रक्षा करने का अधिकार है। मैं सिर्फ इतना कह रहा हूँ कि हम चुनाव आयोग जैसी संस्थाओं से अपेक्षा कर रहे हैं कि वे जिम्मेदारी से काम करें। भारत के लोकतांत्रिक संविधान के तहत उन्हें जो करना चाहिए,वही करें। बस इतना ही।

मणिपुर में फिर हिंसा...दो लोगों की हत्या के बाद मुख्यमंत्री आवास के बाहर शव रखकर प्रदर्शन



इंफाल, 19 अक्टूबर 2026। मणिपुर में लगातार हो रही हिंसा और हत्याओं के खिलाफ आक्रोशित लोगों ने सोमवार को हमले में मारे गए दो व्यक्तियों के शव मुख्यमंत्री के सरकारी आवास के मुख्य द्वार के बाहर रख कर प्रदर्शन किया। इस घटना के बाद मुख्यमंत्री आवास के आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार,सोमवार सुबह करीब 9.40 बजे इंफाल पूर्वी और कांगपोकपी जिलों की सीमा से सटे नोंगशुम,खोंगबल थांगखुल इलाके में सदिग्ध सशस्त्र हमलावरों ने लोगों के एक समूह पर हमला कर दिया। बताया गया है कि ये लोग पहाड़ी क्षेत्र में जलावन की लकड़ी इकट्ठा करने गए थे। हमले में दो लोगों की मौत हो गई,जबकि तीन अन्य घायल हो गए। घटना की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बल मौके पर पहुंचे। घायलों को उपचार के लिए इंफाल के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। हमले में मारे गए लोगों के शव लेकर लोग मुख्यमंत्री आवास पहुंचे और उन्हें मुख्य द्वार के बाहर रखकर लगातार हो रही हिंसा के प्रति अपना विरोध जताया। बाद में इंफाल पश्चिम जिले की पुलिस की एक टीम ने शवों को अपने कब्जे में लेकर जवाहरलाल नेहरू आर्युर्विज्ञान संस्थान (जेएनआईएमएस) के शवगृह में भेज दिया। घटना के बाद मुख्यमंत्री आवास और आसपास के इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी गई। आवास के समीप सड़क पर लोगों की आवाजवाही प्रतिबंधित कर दी गई और लोगों को उस मार्ग से गुजरने से रोका गया। लगातार हो रही हिंसक घटनाओं और लोगों की मौत को लेकर स्थानीय निवासियों में भारी नाराजगी देखी जा रही है। मृतकों की पहचान और हमले के पीछे के कारणों के संबंध में विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है।

राजसी परंपरा से हुई मां महामाया की संधि पूजा,आज शस्त्र पूजन के साथ मनेगा दशहरा

महाअष्टमी-नवमी पर मंदिरों और पंडालों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़,हवन के बाद कन्या भोज,आज गांधी चौक से निकलेगी भव्य शोभायात्रा



—संवाददाता—
 अम्बिकापुर, 19 अक्टूबर 2026
 (घटती-घटना)।

शारदीय नवरात्रि की महाअष्टमी व नवमी तिथि की पूजा सोमवार को की गई। महाअष्टमी तिथि पर सरगुजा राज परिवार के टीएस सिंहदेव द्वारा कुलदेवी मां महामाया की राजसी परंपरा के अनुसार संधि पूजा की। पूरे दिन श्रद्धालुओं की भीड़ देवी मंदिरों व पंडालों में उमड़ी रही। सुबह से ही मां के दर्शन के लिए लोग कतार में खड़े रहे। हवन-पूजन के बाद कन्या भोज का भी आयोजन किया गया। इसके साथ ही शारदीय नवरात्र की पूर्णाहति हुई। मंगलवार को विजया दशमी मनाया जाएगा। इस अवसर पर हिन्दू एकता मंच द्वारा भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसके लिए संटन द्वारा पिछले



कई दिनों से तैयारी की गई है। शारदीय नवरात्रि 11 अक्टूबर से चल रही है। श्रद्धालु माता रानी की आराधना में लीन हैं। सोमवार को महाअष्टमी व नवमी का संयोग रहा। मां महामाया सरगुजा राजपरिवार की कुलदेवी हैं तथा प्रत्येक वर्ष शारदीय नवरात्रि के अवसर पर राजपरिवार द्वारा परम्पराओं का निर्वहन करते हुए संधि पूजा की जाती है। महाअष्टमी तिथि पर सरगुजा राज परिवार के टीएस सिंहदेव अपने भतीजे आदित्येश्वर शरण सिंहदेव के साथ कुलदेवी मां महामाया की राजसी परंपरा के अनुसार संधि पूजा की। इस अवसर पर सरगुजा राजपरिवार द्वारा सर्वप्रथम मां महामाया इसके उपरांत मां समलाया और रघुनाथ पैलैस पहुंच कर फाटक पूजा, द्वार पूजा की जाती है जिसके बाद औपचारिक रूप

से सरगुजा पैलैस के दशहरे की शुरुआत होती है। मां महामाया मंदिर में राजपुरोहित एवं बैगाओं के माध्यम से पूजा सम्पन्न हुई। जबकि पैलैस में फाटक व द्वार पूजा बैगाओं द्वारा की जाती है। सबसे पहले बैगा पूजा उपरांत पैलैस में प्रवेश करते हैं। इसके पश्चात उनकी अनुमति से राजपरिवार के मुखिया व अन्य सदस्य पैलैस में प्रवेश करते हैं। पैलैस में स्थित कचहरी में गद्दी पर सरगुजा राजपरिवार के मुखिया बैठते हैं और मौजूद लोगों से हालचाल लेते हैं। सरगुजा राजपरिवार के मुखिया एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने इस अवसर पर परिवार के परम्पराओं का निर्वहन करते हुए पूजा अर्चना की। संधि पूजा अवसर पर राजपुरोहित द्विपेश पांडेय व मंदिर के पुजारी उपस्थित थे।

जगह-जगह कन्या भोज का हुआ आयोजन : शारदीय नवरात्रि की नवमी पर पूजा पंडालों व देवी मंदिरों में हवन पूजन की गई। भक्तों से श्रद्धापूर्णक हवन कर अपने परिवार के लिए सुख शांति की कामना की। हवन के बाद भक्तों द्वारा कन्या को भोजन कराया गया। इसके साथ नवरात्र की समाप्ति हुई।
रघुनाथ पैलैस में शस्त्र पूजन कार्यक्रम आज : सरगुजा राजपरिवार के मुखिया टीएस सिंहदेव एवं उनके उत्तराधिकारी आदित्येश्वर शरण सिंहदेव द्वारा विजया दशमी के दिन मंगलवार को शस्त्र पूजन रघुनाथ पैलैस में किया जाएगा। राजपुरोहित द्वारा पूजा कराई जाएगी। इस दिन रघुनाथ पैलैस कचहरी में टीएस सिंहदेव आमजनों से मुलाकात करेंगे एवं नीलकंठ पूजा सम्पन्न होगी।



पंडालों में भी दर्शन-पूजन करने पहुंच रहे भक्त

महाअष्टमी व नवमी के अवसर पर शहर व आस-पास के गामीण क्षेत्रों से श्रद्धालुओं ने शहर के विभिन्न पंडालों में पहुंच कर मां के दर्शन किए। शहर के विभिन्न जगहों पर आकर्षक पंडाल में मां की प्रतिमाएं स्थापित की गई है। पंडालों में भी पूजा-अर्चना हेतु श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है।

दशहरा पर निकलेगी विशाल शोभायात्रा

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी दशहरा के अवसर पर हिन्दू युवा एकता मंच द्वारा शहर में विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसके लिए तैयारी पूरी कर ली गई है। विजयदशमी के दिन कलाकेन्द्र मैदान गांधी चौक से भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी जो महामाया मंदिर तक जाएगी। इस दौरान महामाया मंदिर परिसर में गंगा महाआरती का आयोजन किया जाएगा। मंच के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं द्वारा अधिक से अधिक संख्या में लोगों से रैली में सम्मिलित होने की अपील की गई है।

पत्नी को मायके से नहीं भेजा,धमकी से शुब्ध होकर युवक ने की आत्महत्या

—संवाददाता—
 अम्बिकापुर, 19 अक्टूबर 2026
 (घटती-घटना)।

सूरजपुर जिला के झिलमिली,भैयाथान थाना अंतर्गत ससुराल पक्ष की प्रताड़ना से तंग आकर एक युवक द्वारा जहर सेवन कर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार भैयाथान थाना क्षेत्र के ग्राम खांडापारा निवासी आकाश जायसवाल पिता सुनील जायसवाल का विवाह अप्रैल 2026 में सूरजपुर जिला के रमकोला थाना अंतर्गत ग्राम बेदमी निवासी चंदा जायसवाल से हुआ था। दाम्पत्य जीवन के बाद नवविवाहिता करीब 4 माह की गर्भवती है और एक माह पहले अपने चाचा और भाई के साथ मायके चली गई थी। कुछ दिन बाद आकाश पत्नी को लेने ससुराल गया, तो ससुराल वालों ने यह कहकर भेजने से मना कर दिया कि माता-पिता को भेजना तब भेजेंगे। इसके बाद सास-ससुर अपनी पत्नी को लेने गए तो ससुराल पक्ष ने समाज की बैठक में बेटी से खाना बनवाने, घर का काम करवाने की बात कहते हुए उसे भेजने से इन्कार कर दिया। समाज के लोगों ने दोनों पक्षों से समझाकर सुलह कराया। शाम होने के कारण वे बहू को नहीं ले गए और आले दिन लड्डका आकर ले जाएगा कहकर वापस आ गए। युवक के पिता सुनील जायसवाल ने बताया कि दिनांक 8 अक्टूबर



को शाम करीब 7.30 बजे छोटे बेटे ने फोन करके बताया कि आकाश का तबीयत खराब है। घर पहुंचने पर देखा कि आकाश दरवाजे के पास उल्टी कर रहा था और पास में घास मारने की दवा का डिब्बा पड़ा था। पूछने पर आकाश ने बताया कि साला और उसकी पत्नी, चाचा ससुर और चाची सास ने कॉर्फ्रेंस कॉल करके गालीगालीज करते हुए उसे पॉल का मोबाइल देखने की बात को लेकर कई बातें कही। इनके द्वारा मोबाइल देखने पर बच्चे को गिरवा देने की धमकी दी गई थी। इसी बात से दुःखी होकर वह जहर सेवन कर लिया है। स्वजन उसे पहले भैयाथान शासकीय अस्पताल ले गए,यहां से सूरजपुर जिला अस्पताल रेफर किया गया। 3 दिन इलाज के बाद डॉक्टरों ने अंबिकापुर रेफर किया। 12 अक्टूबर को जिला अस्पताल अंबिकापुर लाने के बाद बेहतर उपचार के आस में वे उसे होलीकॉस अस्पताल में भर्ती करए थे, यहां 18 अक्टूबर को शाम 7 बजे उसकी मौत हो गई।

33वां कन्यादान कर डॉ. मीरा शुक्ला ने बसाया घर,विदाई में छलक पड़े ममता के आंसू....

तीन साल तक बालिका गृह में रही प्रियांशी का संदीप से हुआ विवाह,नन्हीं बेटी के साथ नए जीवन की शुरुआत...शक्ति सदन में भावुक हुआ माहौल

—संवाददाता—
 अम्बिकापुर, 19 अक्टूबर 2026
 (घटती-घटना)।

महिला एवं बाल कल्याण के क्षेत्र में मानवीय सेवा की मिसाल पेश कर रहें एमएसएसवीपी शक्ति सदन की संचालिका डॉ. मीरा शुक्ला ने एक बार फिर संवेदनशील पहल करते हुए एक युवती का घर बसाने में अहम भूमिका निभाई। शुक्रवार, 16 अक्टूबर को शक्ति सदन परिसर में प्रियांशी राजवाड़े और संदीप चौधरी का विवाह हिंदू रीति-रिवाज से संपन्न हुआ। डॉ. शुक्ला ने अपना 33वां कन्यादान कर नवदंपति को नए जीवन की शुरुआत के लिए आशीर्वाद दिया। इससे पहले वे 32 असह्य युवतियों के विवाह और पुनर्वास में सहयोग कर चुकी हैं। प्रियांशी और संदीप का संबंध करीब तीन साल पहले शुरू हुआ था। उस समय प्रियांशी नाबालिग थीं। इस दौरान उन्होंने एक बच्ची को जन्म दिया। नाबालिग से जुड़े मामले में संदीप के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत कार्रवाई हुई और उन्हें करीब



चार-पांच महीने जेल में रहना पड़ा। वहीं, नियमानुसार प्रियांशी को बालिका गृह में संरक्षण दिया गया,जहां वे लंबे समय तक रहीं। इस दौरान परिजनों ने भी उनसे दूरी बना ली। प्रियांशी संदीप के साथ जीवन बिताने के फैसले पर अडिग रहीं। न्यायालय में सुनवाई

के दौरान उन्होंने अपनी इच्छा स्पष्ट की। इसके बाद संदीप जेल से रिहा हुए। विवाह की कानूनी प्रक्रिया में समय लगने की जानकारी मिलने पर वे एमएसएसवीपी शक्ति सदन पहुंचे। बालिग होने के बाद प्रियांशी भी पिछले कई महीनों से यहीं रह रही थीं।

डॉ. शुक्ला की पहल से पूरी हुई औपचारिकताएं...

संदीप की स्थिति और बच्ची के भविष्य को देखते हुए डॉ. मीरा शुक्ला ने पहल की। संस्था की ओर से आवश्यक कानूनी और प्रशासनिक औपचारिकताएं पूरी कराने की प्रक्रिया में सहयोग किया गया। इसके बाद दोनों का विवाह संपन्न हुआ। समारोह में वर पक्ष के करीब 35 से 40 महिला-पुरुष बाराती शामिल हुए। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कन्यादान, मंगलसूत्र धारण, सिंदूरदान और बिछिया पहनाने की रस्में निभाई गईं। संस्था की ओर से बालितियों और अतिथियों का स्वागत कर भोजन कराया गया।

बेटी की विदाई पर छलक पड़े आंसू

: विवाह के बाद विदाई का दृश्य भावुक कर देने वाला रहा। प्रियांशी की नन्हीं बेटी ने बालिका गृह और शक्ति सदन में लंबे समय तक महिला कर्मचारियों के स्नेह और देखभाल के बीच समय बिताया था। विदाई के समय जब वह अपनी मां और पिता के साथ रवाना हुईं, तो उसे अपनी संतान की तरह पालने वाली महिला कर्मचारियों की आंखें नम हो गईं। डॉ. मीरा शुक्ला ने भी प्रियांशी को गले लगाकर विदाई दी। उन्होंने कहा कि बच्ची से अलग होने का दुख जरूर है, लेकिन इस बात की खुशी और सुकून भी है कि अब उसे अपने माता-पिता के साथ परिवार का सहारा मिलेगा। संस्था का उद्देश्य केवल आश्रय देना नहीं, बल्कि जरूरतमंद बेटीयों को सम्मानजनक जीवन और बेहतर भविष्य की राह उपलब्ध कराना है। शक्ति सदन परिवार ने नवदंपति और उनकी बेटी को सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए शुभकामनाएं देते हुए विदा किया।

आज होगा 85 फीट के विशालकाय रावण के पुतला का दहन,शहर में निकलेगी भव्य शोभायात्रा

पीजी कॉलेज मैदान में लेजर लाइट से होगा रामायण का सजीव चित्रण,आतिशबाजी व संगीतमय संध्या का होगा आयोजन

—संवाददाता—
 अम्बिकापुर, 19 अक्टूबर 2026
 (घटती-घटना)।

सरगुजा सेवा समिति, नागरिक समिति एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने वाले भव्य 'विजयादशमी महोत्सव' की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। कल स्थानीय पीजी कॉलेज मैदान में यह विशाल आयोजन पूरे हर्षोल्लास व धूमधाम के साथ संपन्न होगा। महोत्सव के तहत कल शैला और पारंपरिक डोल-नगाड़ों के साथ एक भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। शहर के मुख्य मार्गों से होकर गुजरने वाली इस शोभायात्रा में जगह-जगह भगवान श्री राम दरबार का आत्मीय व भव्य स्वागत किया जाएगा। मुख्य आयोजन स्थल पीजी कॉलेज मैदान में दर्शकों के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। यहीं लेजर लाइट एवं ऑडियो के



माध्यम से रामायण का सजीव और संक्षिप्त चित्रण प्रस्तुत किया जाएगा,जो दर्शकों के लिए एक अद्भुत अनुभव होगा। इसके अतिरिक्त, भक्तिमय संगीत संध्या और शानदार आतिशबाजी के साथ पूरे वातावरण



को राममय किया जाएगा। महोत्सव के मुख्य आकर्षण के रूप में पीजी कॉलेज मैदान में 60 फीट के मेघादन व कुंभकर्ण तथा 85 फीट के विशालकाय रावण के पुतलों का दहन किया जाएगा। इस भव्य आयोजन को



लेकर नगरवासियों में भारी उत्साह है। उक्ताशय जानकारी मीडिया प्रभारी पीयूष कुमार त्रिपाठी ने दी।

चैतन्य देवियों की झांकी शहर के लिए आशीर्वाद : मंत्री राजेश अग्रवाल

—संवाददाता—
 अम्बिकापुर, 19 अक्टूबर 2026 (घटती-घटना)।
 प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय के चोपड़ापारा स्थित सेवा केंद्र नव विश्व भवन में शारदीय नवरात्र पर आयोजित चैतन्य देवियों की झांकी के आठवें दिन सोमवार को कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल शामिल हुए। उन्होंने झांकी को शहरवासियों के लिए आशीर्वाद बताते हुए आयोजन की सराहना की। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर और आरती के साथ किया। इस अवसर पर मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि ब्रह्माकुमारी बहनों के बीच आकर उन्हें शांति और सकारात्मक ऊर्जा की अनुभूति होती है। पिछले 20 वर्षों से शहरवासियों को चैतन्य देवियों की झांकी के माध्यम से एक साथ नई देवियों के दर्शन का अवसर मिल रहा है। यह शहर के लिए आशीर्वाद है। उन्होंने आयोजन के लिए ब्रह्माकुमारी बहनों और संस्था के संचालकों का आभार जताया। कार्यक्रम में दिवंगल और उनके समूह ने महिषासुर मर्दिनी नाटक का प्रभावशाली मंचन किया। इसमें अरविंद गुप्ता ने महिषासुर की भूमिका निभाई। वहीं, ब्रह्माकुमारी बहनों ने उपस्थित लोगों को नशामुक्ति की प्रतिज्ञा भी दिलाई। कार्यक्रम में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी रोमा श्रीवास्तव,होमगार्ड कमांडेंट शिवकुमार कठौतिया,दत्त रोग विशेषज्ञ डॉ. अरविंद,डॉ. नीलम, अधिवक्ता विनोद दुबे सहित शहर के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।



टाईब्रेकर में बलसेड़ी ने ट्राइबल टाइगर को हराया,परसोड़ी ने जशपुर को 2-0 से दी शिकस्त

—संवाददाता—
 अम्बिकापुर, 19 अक्टूबर 2026
 (घटती-घटना)।

गांधी स्टेडियम में चल रही संभाग स्तरीय नॉकआउट कम लीग फुटबॉल प्रतियोगिता 2026 में सोमवार को दूसरे दौर के दो मुकाबले खेले गए। पहले मैच में बलसेड़ी ने ट्राइबल टाइगर को टाईब्रेकर में 3-2 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। वहीं,दूसरे मुकाबले में परसोड़ी ने जशपुर को 2-0 से शिकस्त दी। पहले मुकाबले में ट्राइबल टाइगर और बलसेड़ी के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। दोनों टीमों ने बेहतर तालमेल और आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए पहले हाफ में एक-एक गोल किया। दूसरे हाफ में दोनों टीमों के खिलाड़ी गोल करने में सफल नहीं हुए। इसके बाद मैच का फैसला टाईब्रेकर से हुआ, जिसमें बलसेड़ी ने 3-2 से जीत दर्ज की। दिन का दूसरा मुकाबला जशपुर और परसोड़ी के बीच खेला गया। पहले हाफ में दोनों टीमों ने शानदार खेल दिखाया, लेकिन परसोड़ी ने एक गोल कर 1-0 की बढ़त बना ली। दूसरे हाफ में भी जशपुर की टीम बराबरी नहीं कर सकी। मैच के अंतिम समय में परसोड़ी ने एक और गोल कर 2-0 से जीत अपने नाम कर ली। मैच में निर्णायक की भूमिका



ललित किशोर, मंगल, नीलभूषण और रामबहादुर लांब ने निभाई। इस दौरान कार्यकारिणी सदस्य दीपक कुजूर, कमलेश किस्मोट, अखिलानंद और विनोद पैकरा उपस्थित रहे।

दशहरा अवकाश के बाद 21 अक्टूबर से लीग मुकाबले : आयोजकों के अनुसार, 20 अक्टूबर को दशहरा अवकाश रहेगा। बुधवार,21 अक्टूबर को लीग राउंड के दो मैच खेले जाएंगे। पहले मुकाबले में रेलवे करंजी और मेंड्राबुर्द की टीमें आमने-सामने होंगी। दूसरे मैच में तालपारा और एमएफसी कपसर के बीच मुकाबला होगा।

बंदी को जेल में दाखिल कर लौटना था दुर्ग,बस स्टैंड पर नशे में धुत मिले एसआई-आरक्षक

रातभर सड़क पर पड़ा रहा आरक्षक,ठेले की बेंच पर लावारिस मिली इंसास रायफल...वीडियो सामने आने के बाद दुर्ग एसपी ने दोनों को किया निलंबित



—संवाददाता—
 अम्बिकापुर, 19 अक्टूबर 2026
 (घटती-घटना)।

बंदी को अंबिकापुर सेंट्रल जेल में दाखिल करने आए दुर्ग पुलिस के एसएसआई और आरक्षक की लापरवाही सामने आई है। बंदी को जेल में शिफ्ट करने के बाद दुर्ग लौटने के लिए बस का इंतजार कर रहे दोनों पुलिसकर्मियों ने कथित तौर पर शराब पी। नशा इस कदर हावी हुआ कि दोनों बस स्टैंड के पास बेसुध पड़े रहे और एसआई की इंसास रायफल ठेले की बेंच पर लावारिस हालत में मिली। सुबह लोगों ने दोनों का वीडियो बनाकर पुलिस को सूचना दी। मामला सामने आने के बाद दुर्ग एसपी ने दोनों को निलंबित कर दिया है। जानकारी के अनुसार,दुर्ग जिले में पदस्थ एसएसआई प्रकाश एक्का और आरक्षक ऋषिकांत त्रिपाठी को 17 अक्टूबर को एक बंदी को अंबिकापुर सेंट्रल जेल में दाखिल करने की जिम्मेदारी दी गई थी। 18 अक्टूबर को बंदी को जेल में शिफ्ट करने के बाद दोनों दुर्ग लौटने के लिए प्रतीक्षा बस स्टैंड पहुंचे। इसी दौरान दोनों

पिता की डांट से नाराज नाबालिग जहर खाकर दी जान स्कूल से देर से आने पर पिता ने किया था सवाल...

—संवाददाता—
 अम्बिकापुर, 19 अक्टूबर 2026
 (घटती-घटना)।

पिता की डांट से नाराज होकर एक किशोरी द्वारा जहर सेवन कर अपने कमरे में अकेले थी। कुछ देर बाद जब उसकी मां खाना खाने के लिए बुलाने कमरे में गई तो देखा कि वह बिस्तर में बेहोश पड़ी है और बिस्तर के नीचे उल्टी की थी। स्वजन कमरे में पहुंचे तो उल्टी से दवा जैसी महक आ रही थी। सभी

अक्टूबर को सोना स्कूल से घर देर से आईं, तो उन्होंने इसका कारण पूछा। इस पर लड़की ने कुछ नहीं बताया। शाम करीब 7 बजे परिवार के सभी लोग घर पर थे और सोना अपने कमरे में अकेले थी। कुछ देर बाद जब उसकी मां खाना खाने के लिए बुलाने कमरे में गई तो देखा कि वह बिस्तर में बेहोश पड़ी है और बिस्तर के नीचे उल्टी की थी। स्वजन कमरे में पहुंचे तो उल्टी से दवा जैसी महक आ रही थी। सभी

उसे तुरंत शासकीय अस्पताल धीरपुर ले गए। यहां होश में आने पर पूछताछ में सोना ने बताया कि गुस्से में आकर वह घास मारने वाला दवा पी ली थी और डिब्बा भूसा घर में फेंक दी है। पिता का मानना है कि स्कूल से देर से आने पर डांट और पूछताछ से नाराज होकर वह ऐसा कदम उठाई होगी। स्वजन उसे धीरपुर स्वास्थ्य केंद्र ने गए,यहां से प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने रेफर कर दिया।



सरगुजा की धरती पर राम वनवास की अमिट स्मृतियां पहाड़ों-गुफाओं में आज भी जीवंत है रामकथा....

राम वनवास की स्मृतियों से जुड़ा सरगुजा,आस्था के साथ इतिहास और प्रकृति का अनूठा संगम

गुफाएं, पहाड़ और नदियां...सरगुजा के कण-कण में रामकथा की गूंज

सीतामढ़ी-हरचौका से रामगढ़ तक,छत्तीसगढ़ की धरती पर राम वन गमन की अनकही गाथाएं...

दंडकारण्य की धरती और प्रभु श्रीराम की लोकगाथाएं, सरगुजा संभाग के 40 से अधिक स्थलों की कहानी

वनवास की राहों पर रामकथा के निशान! कोरिया, सूरजपुर और सरगुजा की धार्मिक विरासत

रामायण की लोकस्मृतियों का खजाना है सरगुजा, गुफाओं और पहाड़ियों में पीढ़ियों से जीवित हैं मान्यताएं

कोरिया के सीतामढ़ी-हरचौका से रामगढ़ और मैनापाट तक प्रभु श्रीराम से जुड़ी लोकमान्यताओं का सफर, 40 से अधिक स्थलों में टीवी-बसी है आस्था,इतिहास और प्रकृति की अनूठी विरासत

सीतामढ़ी-हरचौका से रामाराम तक: राम वन गमन से जुड़ी मान्यताओं का सांकेतिक सफर

राजन पाण्डेय

कोरिया/सरगुजा, 19 अक्टूबर 2026 (घटती-घटना)।

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का जीवन त्याग,तपस्या,सत्य,धर्म और आदर्शों का प्रतीक है,अयोध्या से आरंभ हुई उनकी जीवनयात्रा में वनवास का प्रसंग केवल राजमहल से वन की ओर प्रस्थान की कथा नहीं,बल्कि कठिन परिस्थितियों में मर्यादा,कर्तव्य और धर्म का पालन करने की प्रेरणा भी है,यही कारण है कि रामायण की कथा सदियों बाद भी भारतीय जनमानस में जीवित है,दशहरा आते ही श्रीराम के वनवास, रावण वध और धर्म की स्थापना का प्रसंग एक बार फिर लोगों की स्मृतियों में ताजा हो उठता है।

छत्तीसगढ़ के उत्तरी हिस्से में फैला सरगुजा अंचल इस सांस्कृतिक परंपरा की एक विशिष्ट कड़ी है,यहां की पहाड़ियों,घने जंगलों, प्राकृतिक गुफाओं,नदियों और प्राचीन मंदिरों से अनेक जनश्रुतियां जुड़ी हुई हैं,स्थानीय मान्यताओं के अनुसार,वनवास काल में भगवान श्रीराम, माता सीता और भ्राता लक्ष्मण ने दंडकारण्य क्षेत्र में प्रवास किया था,इसी विश्वास के आधार पर कोरिया-एमसीबी, सूरजपुर,बलरामपुर,सरगुजा और जशपुर के अनेक स्थलों को राम वन गमन की स्मृतियों से जोड़कर देखा जाता है,कहीं

सीतामढ़ी हरचौका

मर्वा नदी के तट स्थित सीता मढ़ी हरचौक झील की नजर से

प्राकृतिक गुफा को माता सीता का आश्रय स्थल माना जाता है,कहीं चट्टानों पर बनी आकृतियों को श्रीराम,लक्ष्मण या सीता से जोड़कर देखा जाता है,तौ कहीं प्राचीन शिवलिंगों और जलकुंडों के साथ वनवास की कथाएं सुनाई जाती हैं,इन स्थानों का महत्व केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है,ये लोकसंस्कृति,

वन गमन पर्यटन परिपथ की परिकल्पना की गई,इसके अंतर्गत प्रदेश के नौ प्रमुख स्थलों को पहले चरण में विकसित करने के लिए चिह्नित किया गया था,इनमें सीतामढ़ी-हरचौका, रामगढ़,शिवरीनारायण-खरौद,तुरतुरिया, चंदखुरी, राजिम,सिहावा-सप्तऋषि आश्रम,जगदलपुर और रामाराम शामिल हैं,इसका उद्देश्य धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को पहचान दिलाना भी रहा है,इन नौ प्रमुख स्थलों के अतिरिक्त सरगुजा संभाग में रामायण से जुड़ी अनेक स्थानीय मान्यताएं प्रचलित हैं, विभिन्न गांवों और क्षेत्रों में मंदिरों, गुफाओं, पहाड़ियों तथा जलप्रपातों को लेकर पीढ़ियों से कथाएं सुनाई जाती रही हैं, स्थानीय शोध और जनश्रुतियों के आधार पर 40 से अधिक ऐसे स्थलों का उल्लेख मिलता है, हालांकि इन सभी स्थानों का एक ही प्रमाणित ऐतिहासिक मार्ग में शामिल होना अलग विषय है, इनके संरक्षण के लिए धार्मिक परंपराओं के साथ ऐतिहासिक और पुरातात्विक तथ्यों का दस्तावेजीकरण भी आवश्यक है।

कोरिया-एमसीबी: सीतामढ़ी-हरचौका से जुड़ी प्रदेश की मान्यता

राम वन गमन की लोकमान्यताओं में सीतामढ़ी-हरचौका का विशेष स्थान है, वर्तमान में यह स्थल मनेंद्रगढ़-चिमिरी-भरतपुर जिले के भरतपुर विकासखंड क्षेत्र में स्थित है,जिला प्रशासन के पर्यटन विभाग के अनुसार,यह जनकपुर से लगभग 25 किलोमीटर दूर है और मर्वा नदी के तट पर प्राकृतिक गुफाओं के लिए जाना जाता है, यहां गुफा के भीतर 17 कक्ष होने तथा 12 कक्षों में शिवलिंग स्थापित होने का उल्लेख मिलता है,स्थानीय मान्यता है कि भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण ने मर्वा नदी के रास्ते छत्तीसगढ़ की धरती पर प्रवेश किया था,इसी आधार पर सीतामढ़ी-हरचौका को उनकी वनवास यात्रा का पहला पड़ाव माना जाता है, इस क्षेत्र में नदी के नाम को लेकर भी एक लोककथा प्रचलित है, कहा जाता है कि माता सीता के आगमन से जुड़ी मान्यता के कारण इसे पहले 'मां आई' कहा गया,जो कालांतर में 'मर्वा' के रूप में प्रचलित हो गया, यह लोकव्युत्पत्ति स्थानीय आस्था का हिस्सा है, सीतामढ़ी-हरचौका की गुफाएं धार्मिक दृष्टि से श्रद्धालुओं को आकर्षित करती हैं,यहां प्राचीन प्राकृतिक संरचनाएं,शिवलिंग और स्थानीय परंपराएं एक साथ देखने को मिलती हैं,इस स्थल के व्यवस्थित विकास से श्रद्धालुओं को सुविधाएं उपलब्ध कराने और क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को संभालने की संभावनाएं जुड़ी हुई हैं,कोरिया और एमसीबी क्षेत्र में सीतामढ़ी-वाघरा,महादेवन खमरीध,

राम वन गमन से जुड़ी लोकमान्यताएं

कोरिया-एमसीबी से बलरामपुर तक | प्रमुख स्थलों का सांकेतिक टाइमलाइन मैप

क्षेत्र/पड़ाव	लोकमान्यताएं
01 कोरिया-एमसीबी	सीतामढ़ी-हरचौका मर्वा नदी
02 मनेंद्रगढ़	सीतामढ़ी-हरचौका मर्वा नदी
03 जशपुर	सीतामढ़ी-हरचौका मर्वा नदी
04 सूरजपुर	सीतामढ़ी-हरचौका मर्वा नदी
05 रामगढ़	सीतामढ़ी-हरचौका मर्वा नदी
06 बलरामपुर	सीतामढ़ी-हरचौका मर्वा नदी
07 सीतामढ़ी-हरचौका	सीतामढ़ी-हरचौका मर्वा नदी
08 सीतामढ़ी-हरचौका	सीतामढ़ी-हरचौका मर्वा नदी
09 सीतामढ़ी-हरचौका	सीतामढ़ी-हरचौका मर्वा नदी
10 सीतामढ़ी-हरचौका	सीतामढ़ी-हरचौका मर्वा नदी

राम वन गमन पथ—सांकेतिक टाइमलाइन मैप

कोटाडोल,सीतामढ़ी छत्तीस आश्रम,सिद्ध बाबा आश्रम,देवसील और गांगी रानी जैसे स्थानों को भी राम वनवास की लोकस्मृतियों से जोड़कर देखा जाता है,अमृतधारा जलप्रपात और जटारांकरा गुफा जैसे प्राकृतिक स्थलों के साथ भी स्थानीय जनश्रुतियां जुड़ी हैं,इन मान्यताओं का व्यवस्थित संकलन क्षेत्र की धार्मिक विरासत को समझने में मदद कर सकता है।

सूरजपुर: पहाड़ों और जलप्रपातों में सुनाई देती रामकथा

सूरजपुर जिले में भी भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण से जुड़ी कई लोकमान्यताएं प्रचलित हैं, यहां के जंगल, पहाड़ और प्राकृतिक संरचनाएं स्थानीय लोगों के धार्मिक विश्वासों का हिस्सा हैं। जोगीमाड़ा,चपदा की पत्थर गुफा,कुंदरगढ़, सीता लेखनी पहाड़,लक्ष्मण पंजा,रक्सगंज

जलप्रपात,रामेश्वरनगर का तीर-धनुष, सरासोर,श्रीराम-लक्ष्मण पखाना,मरहट्टा के पदचिह्न,साल्हे-बेसाही पहाड़,महसूझ ऋषि आश्रम और पिलखा पहाड़ जैसे स्थानों का उल्लेख इसी संदर्भ में किया जाता है,ओड़ुंगी तहसील के कैलाशनगर क्षेत्र स्थित सीता लेखनी पहाड़ को लेकर ग्रामीणों में विशेष श्रद्धा है,स्थानीय मान्यता के अनुसार, वनवास काल में लक्ष्मण ने माता सीता को यहां लिखना-पढ़ना सिखाया था,पहाड़ की चट्टानों पर दिखाई देने वाली गोलाकार आकृतियों को सीता लेखनी से जोड़कर देखा जाता है,इन आकृतियों और प्राचीन लिपि संबंधी दावों की पुरातात्विक जांच इस स्थल की ऐतिहासिक पहचान को और स्पष्ट कर सकती है,नवगंज गांव के समीप स्थित रक्सगंज जलप्रपात अपनी प्राकृतिक संरचना के लिए प्रसिद्ध है, स्थानीय जनश्रुति में इसका नाम राक्षसों से जुड़ी एक कथा के साथ समझाया जाता है,

मैनापाट: शरभंग ऋषि की तपोभूमि की कथा

सरगुजा का मैनापाट अपनी प्राकृतिक सुंदरता,पहाड़ियों, वनों और जलप्रपातों के लिए प्रसिद्ध है,इसे अक्सर छत्तीसगढ़ का शिमला कहा जाता है,लेकिन यहां की पहचान केवल प्राकृतिक पर्यटन तक सीमित नहीं है,मैनापाट और आसपास के क्षेत्रों में ऋषि-मुनियों की तपस्या तथा रामायण काल से जुड़ी मान्यताएं भी प्रचलित हैं,शरभंग ग्राम में शरभंग ऋषि के आश्रम को लेकर विशेष धार्मिक विश्वास हैं, जनश्रुति के अनुसार,भगवान श्रीराम वनवास काल में इस क्षेत्र में पहुंचे और महर्षि शरभंग सहित दूसरे ऋषियों से भेंट की,समीप स्थित शरभंगा जलप्रपात अपनी प्राकृतिक सुंदरता के कारण आकर्षण का केंद्र है,इन कथाओं को स्थानीय धार्मिक परंपरा के रूप में संभालना आवश्यक है,साथ ही क्षेत्र की प्राकृतिक संरचना,जैव विविधता और आदिवासी-सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण भी पर्यटन विकास के साथ प्राथमिकता में रहना चाहिए।

जशपुर: प्राचीन मंदिरों और आश्रमों में वनवास की स्मृतियां

सरगुजा संभाग के जशपुर जिले में भी भगवान श्रीराम के वनवास से संबंधित कई लोकमान्यताएं प्रचलित हैं, बगीचा का शिव मंदिर, रंगेला का लेखा पत्थर,रिंगारघाट का लक्ष्मण पंजा और पथलगांव क्षेत्र का किलकिला आश्रम प्रमुख स्थलों में गिने जाते हैं,किलकिला आश्रम में प्राचीन शिव मंदिर और राम-जानकी मंदिर स्थित हैं,स्थानीय जनश्रुति के अनुसार,वनवास के दौरान भगवान श्रीराम,माता सीता और लक्ष्मण ने यहां कुछ समय बिताया था,इन धार्मिक स्थलों के साथ जुड़ी लोककथाएं क्षेत्र के लोगों की आस्था का हिस्सा हैं और स्थानीय सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करती हैं।

शिवरीनारायण से सिहावा तक फैली रामकथा

सरगुजा अंचल से आगे छत्तीसगढ़ के अन्य भागों में भी भगवान श्रीराम के वनवास की स्मृतियों से जुड़ी परंपराएं व्यापक हैं,जांजगीर-चांपा जिले का शिवरीनारायण माता शबरी की भक्ति की कथा के लिए प्रसिद्ध है,लोकमान्यता के अनुसार,माता शबरी ने प्रभु श्रीराम को प्रेमपूर्वक बेर अर्पित किए थे,यह प्रसंग भक्ति,समर्पण और निष्कपट प्रेम का प्रतीक माना जाता है,बलौदाबाजार का तुरतुरिया महर्षि वाल्मीकि के आश्रम से जुड़ी मान्यताओं के लिए जाना जाता है,रायपुर जिले के चंदखुरी में माता कौशल्या मंदिर स्थित है, जबकि गरियाबंद के राजिम का धार्मिक महत्व नदियों के संगम और प्राचीन मंदिरों से जुड़ा है,धमतरी जिले की सिहावा पहाड़ियों को ऋषि-मुनियों की तपोभूमि माना जाता है,बस्तर के जगदलपुर और सुकुमा के रामाराम में भी रामकथा से जुड़ी लोकपरंपराएं प्रचलित हैं,इन स्थलों की भौगोलिक दूरी और स्थानीय कथाओं में अंतर होने के बाजूदे,वह छत्तीसगढ़ की व्यापक धार्मिक-सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा है।

दशहरा का संदेश और विरासत संरक्षण की जिम्मेदारी

दशहरा भगवान श्रीराम के जीवन से जुड़े आदर्शों,धर्म की स्थापना और बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है,सरगुजा अंचल में राम वन गमन से जुड़ी मान्यताएं इस पर्व को एक स्थानीय सांस्कृतिक संदर्भ भी देती हैं, यहां की नदियां,पहाड़ियां,गुफाएं,मंदिर और जलप्रपात केवल पर्यटन स्थल नहीं,बल्कि पीढ़ियों से संजोई गई स्मृतियों के केंद्र भी हैं,इन स्थलों की वास्तविक क्षमता तभी सामने आएगी,जब धार्मिक आस्था के साथ उनकी ऐतिहासिक और प्राकृतिक पहचान का संरक्षण किया जाए,बेहतर सड़क,स्पष्ट दिशा-सूचक बोर्ड,स्वच्छता,

सुरक्षित पहुंच,श्रद्धालुओं के लिए मूलभूत सुविधाएं और स्थानीय गाइड जैसी व्यवस्थाएं पर्यटन को बढ़ावा दे सकती हैं। साथ ही, स्थानीय लोककथाओं और पुरातात्विक साक्ष्यों का व्यवस्थित दस्तावेजीकरण जरूरी है,ताकि मान्यता और प्रमाण के बीच अंतर स्पष्ट रहे,राम वन गमन से जुड़ी सभी स्थानीय कथाओं को एक ही तरह का ऐतिहासिक प्रमाण नहीं माना जा सकता,कुछ स्थलों का पुरातात्विक महत्व अभिलेखों और प्राचीन संरचनाओं से स्थापित होता है,जबकि अन्य का महत्व मुख्यतः जनश्रुतियों और धार्मिक विश्वासों पर आधारित है, दोनों

प्रकार की विरासत को सम्मानपूर्वक समझना और संभालना इस क्षेत्र के सांस्कृतिक विकास के लिए आवश्यक है,कोरिया-एमसीबी के सीतामढ़ी-हरचौका से सरगुजा के बलरामपुर और मैनापाट तक फैली रामकथा की लोकस्मृतियां छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं,दशहरा के अवसर पर इन स्थलों को याद काना केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं,बल्कि अपनी लोकपरंपराओं,प्राकृतिक धरोहर और प्राचीन इतिहास को समझने तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखने का संकल्प भी है।



नवरात्रि के पंडालों में जनसंपर्क की राजनीति

भैयालाल राजवाड़े और अशोक जायसवाल की सक्रियता चर्चा में

पंडाल-पंडाल पहुंच रहे नेता, त्योहारों में जनसंपर्क का मौका!
भैयालाल राजवाड़े और अशोक जायसवाल की सक्रियता
चर्चा में, दशहरा के आयोजनों पर भी रहेंगी निगाहें...

नवरात्रि के पंडालों में सियासी हलचल!

नवरात्रि के बहाने जनसंपर्क का दौर
तेज, भाजपा-कांग्रेस के नेताओं की
पंडालों में बढ़ी आवाजाही

पंडालों में दर्शन, लोगों से मुलाकात
और सियासी संपर्क-नवरात्रि में
नेताओं की बढ़ी सक्रियता

आस्था के मंच पर जनसंर्क की
दस्तक, कोरिया में त्योहारों के बीच
नेताओं की सक्रियता चर्चा में...

-रवि सिंह-

बैकुंठपुर, 19 अक्टूबर 2026
(घटती-घटना)।

राजनीति में जनसंपर्क का अपना समय और अपना तरीका होता है, चुनाव करीब हों तो राजनीतिक गतिविधियां खुलकर दिखाई देती हैं, लेकिन चुनाव से पहले भी कुछ ऐसे अवसर आते हैं, जब नेता जनता के बीच अपनी मौजूदगी दर्ज करने में जुट जाते हैं, दशहरा, नवरात्रि, गणेश उत्सव, होली और नववर्ष जैसे पर्व इस लिहाज से महत्वपूर्ण माने जाते हैं, धार्मिक आयोजनों में लोगों की भागीदारी बढ़ती है, मोहल्ले और गांव के लोग एक जगह जुटते हैं, आयोजन समितियों से लेकर आम श्रद्धालुओं तक से मुलाकात का अवसर मिलता है, ऐसे में पूजा पंडाल केवल आस्था के केंद्र ही नहीं रहते, बल्कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों और राजनीतिक चेहरों के जनसंपर्क का महत्वपूर्ण माध्यम भी बन जाते हैं।

कोरिया जिले में शारदीय नवरात्रि के दौरान कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिल रहा है, बैकुंठपुर से लेकर आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों तक मां दुर्गा के पंडाल सजे हैं, श्रद्धालु दर्शन-पूजन के लिए पहुंच रहे हैं, वहीं राजनीति से जुड़े लोग भी अलग-अलग पूजा समितियों के कार्यक्रमों में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं, इस दौरान भाजपा से विधायक भैयालाल राजवाड़े और कांग्रेस से पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष एवं जिला कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष अशोक जायसवाल की सक्रियता विशेष रूप

नवरात्रि में आस्था के साथ सियासी संपर्क, पंडाल-पंडाल
पहुंच रहे भैयालाल राजवाड़े और अशोक जायसवाल

से चर्चा में है, जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा भी धार्मिक आयोजनों और पूजा पंडालों तक पहुंच रहे हैं, स्थानीय राजनीतिक चर्चाओं में भैयालाल राजवाड़े और अशोक जायसवाल की लगातार मौजूदगी की तुलना भी की जा रही है, हालांकि, किसी नेता की राजनीतिक सक्रियता का अंतिम आकलन केवल पूजा पंडालों में पहुंचने की संख्या से नहीं किया जा सकता, फिर भी त्योहारों के इस दौर में नेताओं की आवाजाही, आयोजन समितियों से संपर्क और क्षेत्रवासियों से मुलाकात राजनीतिक गतिविधियों का एक दिखाई देने वाला पहलू जरूर है।

आस्था के साथ जनसंपर्क का अवसर

नवरात्रि में पूजा पंडालों तक नेताओं का पहुंचना कोई नई बात नहीं है, धार्मिक आयोजन समाज के विभिन्न वर्गों को एक मंच पर लाते हैं, गांव-मोहल्ले में गठित पूजा समितियां आयोजन की तैयारी से लेकर सांस्कृतिक कार्यक्रमों और विसर्जन तक सक्रिय रहती हैं, ऐसे आयोजनों में जनप्रतिनिधियों और राजनीतिक कार्यकर्ताओं की उपस्थिति उन्हें स्थानीय लोगों से सीधे संवाद करने का अवसर देती है, नेताओं के लिए यह मुलाकात केवल औपचारिक अभिवादन तक सीमित नहीं रहती, इस दौरान स्थानीय नागरिक अपनी समस्याएं भी सामने रख सकते हैं, आयोजन समितियां अपनी आवश्यकताओं से अवगत करा सकती हैं और जनप्रतिनिधियों को क्षेत्र की गतिविधियों को नजदीक से समझने का अवसर मिलता है, दूसरी ओर, लोगों के बीच लगातार उपस्थित रहने से किसी नेता की सार्वजनिक पहचान भी बनी रहती है, त्योहारों के दौरान जनसंपर्क का एक आर्थिक पक्ष भी होता है, कई धार्मिक आयोजनों में समितियां जनसहयोग और चंदा जुटाती हैं, राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय लोगों से भी सहयोग

की अपेक्षा की जा सकती है, इसलिए इस अवधि में जनसंपर्क करना समय और संसाधनों की दृष्टि से मेहनत मांगता है, हालांकि किस नेता ने किस समिति को कितना सहयोग दिया, इस संबंध में कोई विवरण उपलब्ध नहीं है, इसलिए किसी के खर्च या योगदान की जानकारी नहीं है।

भाजपा विधायक भैयालाल राजवाड़े की मौजूदगी

बैकुंठपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक भैयालाल राजवाड़े नवरात्रि के दौरान पूजा पंडालों तक पहुंच रहे हैं, बैकुंठपुर के महलपारा स्थित दुर्गा पूजा पंडाल पहुंचे, मां भवानी के दर्शन किए और पूजा समिति के सदस्यों से मुलाकात की, रिपोर्ट में सीमित संसाधनों में व्यवस्थित पंडाल निर्माण और उपलब्ध राशि के सदुपयोग के लिए समिति की सराहना किए जाने का भी उल्लेख है, विधायक होने के नाते क्षेत्र में उनकी सार्वजनिक मौजूदगी का एक निर्वाचित प्रतिनिधि के रूप में भी महत्व है, धार्मिक आयोजनों में पहुंचने के साथ-साथ जनप्रतिनिधि को अपने क्षेत्र की जनसमस्याओं और विकास से जुड़े मुद्दों पर भी लोगों के संपर्क में रहना होता है, इसलिए ऐसी मुलाकातें राजनीतिक और सार्वजनिक जीवन के व्यापक संदर्भ में देखी जाती हैं, नवरात्रि के दौरान उनकी सक्रियता से यह भी स्पष्ट होता है कि धार्मिक आयोजन जनप्रतिनिधियों के स्थानीय संपर्क का एक प्रमुख माध्यम बने हुए हैं, हालांकि उनकी कुल सक्रियता की तुलना दूसरे नेताओं से करने के लिए सभी

पूजा पंडाल बने जनसंपर्क का केंद्र, भाजपा के विधायक और
कांग्रेस के अशोक जायसवाल की लगातार मौजूदगी

कार्यक्रमों और मुलाकातों का व्यवस्थित विवरण आवश्यक होगा।

कांग्रेस से अशोक जायसवाल
भी लगातार सक्रिय

कांग्रेस की ओर से अशोक जायसवाल की पूजा पंडालों में लगातार मौजूदगी चर्चा में है, वे पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष रह चुके हैं और जिला कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष के रूप में भी जुड़े हुए हैं, स्थानीय स्तर पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, नवरात्रि के दौरान वे जिले के विभिन्न दुर्गा पूजा पंडालों में पहुंचकर दर्शन-पूजन कर रहे हैं और क्षेत्रवासियों तथा आयोजन समितियों से मुलाकात कर रहे हैं, उनकी धार्मिक आयोजनों में सक्रियता पहले भी सामने आती रही है, सितंबर 2026 में गणेश चतुर्थी के दौरान अशोक जायसवाल के विभिन्न गणेश पंडालों और भागवत कथा कार्यक्रमों में पहुंचने की खबरें प्रकाशित हुई थीं, उन रिपोर्टों में उनके द्वारा पूजा-अर्चना और आयोजन समितियों से मुलाकात का उल्लेख किया गया था, अब शारदीय नवरात्रि में भी उनकी सक्रियता दिखाई दे रही है, राजनीतिक दृष्टि से इसे स्थानीय संपर्क बनाए रखने की कवायद के रूप में देखा जा सकता है, हालांकि उनकी भविष्य की राजनीतिक योजना को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा सामने नहीं है, इसलिए इसे किसी आगामी चुनाव की तैयारी का निश्चित प्रमाण मानने के बजाय स्थानीय राजनीतिक चर्चा के रूप में ही देखा जा उचित होगा, फिर भी यह सवाल चर्चा में है कि कांग्रेस के दूसरे

स्थानीय नेता भी क्या इसी तरह लगातार पूजा पंडालों और सार्वजनिक आयोजनों में पहुंच रहे हैं? स्थानीय राजनीतिक आकलन में अशोक जायसवाल की मौजूदगी अधिक दिखाई देने की बात कही जा रही है।

जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा भी आयोजनों में मौजूद

जिले में राजनीतिक और सार्वजनिक गतिविधियों के बीच जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा का नाम भी सामने आ रहा है, वे भी विभिन्न पूजा पंडालों और सामाजिक आयोजनों में पहुंच रहे हैं, ऐसे अवसरों पर जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी उन्हें ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लोगों से संवाद का अवसर देती है, जिला पंचायत अध्यक्ष की जिम्मेदारी ग्रामीण क्षेत्रों के विकास और पंचायत व्यवस्था से जुड़ी है, ऐसे में धार्मिक आयोजनों के दौरान लोगों से मुलाकात के साथ ग्रामीण समस्याओं, विकास कार्यों और स्थानीय अपेक्षाओं के बारे में संवाद भी सार्वजनिक जीवन का हिस्सा बन सकता है, हालांकि इस समय उपलब्ध स्थानीय आकलन में भैयालाल राजवाड़े और अशोक जायसवाल की गतिविधियों को अधिक प्रमुखता से देखा जा रहा है, मोहित पैकरा की सक्रियता भी चर्चा में है, लेकिन कौन नेता कितने आयोजनों में पहुंचा, इसका कोई आधिकारिक या पूर्ण आंकड़ा सामने नहीं है, ऐसे में सक्रियता की अंतिम रैंकिंग देने के बजाय नेताओं की दिखाई दे रही मौजूदगी और जनसंपर्क के स्वरूप पर ध्यान देना ज्यादा उचित होगा।

जनसंपर्क और राजनीतिक
तैयारी के बीच अंतर

त्योहारों के दौरान लगातार लोगों के बीच रहना किसी नेता की सार्वजनिक सक्रियता का संकेत हो सकता है, लेकिन इसे सीधे चुनावी सफलता या भविष्य की राजनीतिक स्थिति से जोड़ना उचित नहीं होगा, धार्मिक आयोजनों में पहुंचना, स्थानीय लोगों से मिलना और समितियों को शुभकामनाएं देना जनसंपर्क के तरीके हैं, वहीं चुनावी तैयारी का आकलन करने के लिए संगठनात्मक गतिविधियां, जनसमस्याओं पर काम, सार्वजनिक कार्यक्रमों और मतदाताओं से संवाद जैसे दूसरे पहलुओं को भी देखना जरूरी है, भैयालाल राजवाड़े निर्वाचित विधायक हैं, इसलिए उनके स्थानीय गतिविधियों का राजनीतिक संदर्भ अलग है, पिछले नवरात्रि के पंडालों में नेताओं की अवाजाही ने कोरिया जिले की स्थानीय राजनीति में जनसंपर्क को चर्चा का विषय बना दिया है, भाजपा से भैयालाल राजवाड़े और कांग्रेस से अशोक जायसवाल की गतिविधियां विशेष रूप से दिखाई दे रही हैं, जबकि जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा भी आखिरी में पहुंच रहे हैं, आने वाले दशहरा कार्यक्रमों के दौरान भी नेताओं की सार्वजनिक मौजूदगी बनी रहती है या नहीं, इस पर स्थानीय निगाहें रहेंगी, त्योहारों में आस्था और सामाजिक मेल-मिलाप प्रमुख रहेंगे हैं। राजनीतिक दृष्टि से ये अवसर नेताओं और नागरिकों के बीच संवाद का माध्यम भी बनते हैं।

प्रतापपुर में गरबा-डांडिया उत्सव में उमड़ा आस्था व उत्साह का जनसैलाब, महिलाओं ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

स्टेडियम ग्राउंड में देर रात तक गूंजे गरबा के गीत, आकर्षक परिधानों में सजे श्रद्धालुओं ने जमकर किया डांडिया नृत्य

-संवाददाता-

प्रतापपुर, 19 अक्टूबर 2026
(घटती-घटना)।

नवरात्रि के पावन अवसर पर मां दुर्गा की भक्ति, श्रद्धा और आस्था से सराबोर प्रतापपुर नगर में मां दुर्गा पूजा समिति बस स्टैंड द्वारा स्थानीय स्टेडियम ग्राउंड में गरबा-डांडिया उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस दौरान भक्तों का जनसैलाब उमड़ पड़ा और पूरा स्टेडियम ग्राउंड माता रानी की भक्ति एवं उत्साह से गुंजायमान हो उठा।

गरबा उत्सव में बड़ी संख्या में महिला, पुरुष एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आकर्षक परिधानों में सजे प्रतिभागियों के हाथों में डांडिया और गरबा की धुन पर थिरकते कदम कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहे। विशेष रूप से महिलाओं में गरबा-डांडिया को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। महिलाएं अपने परिवारजनों के साथ कार्यक्रम में पहुंचीं और एक से बढ़कर एक भक्ति गीतों एवं गरबा की धुन पर जमकर नृत्य करती नजर आईं। रंग-बिरंगे परिधानों, डांडिया की खनक और माता रानी के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। बच्चों से लेकर युवाओं और महिलाओं तक सभी में गरबा उत्सव को लेकर खासा उत्साह दिखाई दिया। श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से गरबा-डांडिया नृत्य कर नवरात्रि महापर्व को उल्लास और उमंग के साथ



मनाया। आयोजन ने नगर में धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक एकता और सांस्कृतिक परंपरा की सुंदर झलक प्रस्तुत की। इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में समिति के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष राजेश गुप्ता, अनमोल शर्मा, संरक्षक कमलेश गुप्ता, अरविंद जायसवाल, नवीन सोनू जायसवाल, विनोद जायसवाल, सुरज रजक, शुभम करयप, संजय जायसवाल, अंकित जायसवाल, आयुष अग्रवाल, सूर्या अग्रवाल, एवं सुमित गुप्ता, सोनू करयप, मनीष तायल, सूर्या अग्रवाल, सूर्या जायसवाल सहित समिति के सदस्यों का सक्रिय योगदान मिल रहा है।

प्रतापपुर में आज 55 फीट ऊंचे रावण, मेघनाथ और कुंभकरण के पुतलों का होगा दहन

दशहरा महोत्सव के अवसर पर मंगलवार, 20 अक्टूबर को स्थानीय स्टेडियम ग्राउंड, बस स्टैंड प्रतापपुर में रावण, मेघनाथ एवं कुंभकरण के विशाल पुतलों का दहन किया जाएगा। आयोजन में 55 फीट ऊंचे पुतले विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगे। इस दौरान मंच पर राम-रावण युद्ध की शानदार प्रस्तुति के साथ भव्य आतिशबाजी एवं कलाकारों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। दशहरा महापर्व को लेकर नगरवासियों में खासा उत्साह है। प्रतापपुर में हर वर्ष दशहरा उत्सव के दौरान आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं। अनुमान है कि इस भव्य आयोजन में करीब 15 से 20 हजार श्रद्धालु एवं दर्शक शामिल होकर बुलाई पर अच्छई की जीत के प्रतीक दशहरा पर्व का आनंद लेंगे। विशाल पुतला दहन, राम-रावण युद्ध और आकर्षक आतिशबाजी के बीच पूरा स्टेडियम ग्राउंड उत्सव के रंग में रंगने को तैयार है।

बोर्ड परीक्षा केंद्रों के नए नियम पर संयुक्त शिक्षक संघ का कड़ा ऐतराज, छात्रहित में निर्णय वापस लेने की मांग

ग्रामीण विद्यार्थियों की
पेशानी, सुरक्षा और
आर्थिक बोझ को लेकर
सूरजपुर जिलाध्यक्ष सचिन
त्रिपाठी ने उठाई आवाज़

-संवाददाता-
सूरजपुर, 19 अक्टूबर 2026
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा वर्ष 2027-28 की हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी बोर्ड परीक्षाओं के लिए जारी नए निर्देशों का छत्तीसगढ़ प्रदेश संयुक्त शिक्षक संघ ने कड़ा विरोध किया है। संघ ने विद्यार्थियों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए परीक्षा केंद्रों की पूर्व व्यवस्था को यथावत रखने तथा नए निर्णय को तत्काल वापस लेने की मांग की है। संघ का कहना है कि नए नियमों के कारण ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों को परीक्षा देने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ सकती है। इससे विद्यार्थियों को आवागमन में परेशानी, अतिरिक्त आर्थिक बोझ तथा मानसिक तनाव का सामना करना पड़ेगा। विशेषकर ग्रामीण, गरीब एवं आदिवासी परिवारों के विद्यार्थियों के लिए यह व्यवस्था कठिनाई बढ़ाने वाली साबित हो सकती है।



बोर्ड परीक्षाएं प्रातः 9:15 बजे से प्रारंभ होती हैं। ऐसे में दूरस्थ गांवों के विद्यार्थियों को समय पर परीक्षा केंद्र पहुंचने के लिए सुबह जल्दी घर से निकलना पड़ेगा। कई गांवों में नियमित परिवहन सुविधा उपलब्ध नहीं होने के कारण विद्यार्थियों एवं अभिभावकों की चिंता बढ़ना स्वाभाविक है। परीक्षा केंद्रों की दूरी बढ़ने से छात्रों की सुरक्षा को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े होते हैं। संघ का मानना है कि शिक्षा व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए, जो विद्यार्थियों को सुविधा प्रदान करे, न कि उन्हें अनावश्यक परेशानियों में डाले। बोर्ड परीक्षा का उद्देश्य विद्यार्थियों की शैक्षणिक क्षमता का निष्पक्ष मूल्यांकन करना है। परीक्षा केंद्रों की दूरी बढ़ने से

विद्यार्थियों की उपस्थिति एवं परीक्षा प्रदर्शन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। सूरजपुर जिलाध्यक्ष सचिन त्रिपाठी ने कहा कि विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़े इस महत्वपूर्ण निर्णय को लागू करने से पहले शिक्षक संगठनों, अभिभावकों एवं शिक्षा विशेषज्ञों से व्यापक चर्चा की जानी चाहिए थी। ग्रामीण क्षेत्रों की भौगोलिक परिस्थितियों, परिवहन सुविधाओं एवं छात्रहित को ध्यान में रखते हुए ही परीक्षा केंद्रों का निर्धारण किया जाना चाहिए। उन्होंने राज्य शासन एवं माध्यमिक शिक्षा मंडल से मांग की है कि छात्रहित में नए नियमों पर पुनर्विचार करते हुए पूर्व की परीक्षा केंद्र व्यवस्था को यथावत रखा जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि विद्यार्थियों की सुरक्षा, सुविधा एवं समान अवसर सुनिश्चित करना शिक्षा विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है। संयुक्त शिक्षक संघ ने चेतावनी दी है कि यदि छात्रहित को प्रभावित करने वाले इस निर्णय पर सकारात्मक पहल नहीं की गई, तो सांठन लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज बुलंद करेगा और विद्यार्थियों के हितों की रक्षा के लिए हर स्तर पर प्रयास करेगा।



10 दिन बाद भी कातिलों का सुराग नहीं

गई, मासूम छात्रा की मौत से परिवार और स्कूल में शोक का माहौल बन गया।

CMYK